



# पिता व अन्य छोटी कवितायें

हरिषील पाटीदार 'नव'

निवास- महादेव मंदिर के पास, विकासनगर, जिला- इंगूरपुर(राज.)

## 1.पिता

पेपरवेट भी थे.

जैसे ही हटे,

हम

कागज के पन्नों-से

बिखरते चले गए.

.....

## 2.माइग्रेशन(ब्याह)

एक दिन

उसका जीवन दो हिस्सों में बंट गया

और बदल गई

कई परिभाषाएं

उसके इर्द-गिर्द.

कुछ-कुछ बदला था उसका नाम भी

और पूर्णतः बदला था उसका पता.

उस दिन

वह

माइग्रेशन का

सर्वश्रेष्ठ उदहारण बनी थी .

.....



### 3. यथार्थ

जब मैं स्वयं को  
सम्पूर्ण रूप से  
पवित्र समझ चुका था,  
उसी समय  
एक मच्छर ने  
फटी बनियान से बाहर झांकती पीठ पर बैठ  
मेरा खून चूस लिया  
और उड़ेल दिया ले जाकर,  
वही कही, जहाँ मक्खियाँ भिनभिना रही थी.  
-----

### 4. समझौता

वो क्रयामत की रात थी.  
समस्त प्रेमी वर्ग  
बिना छातों के  
मूसलाधार को झेल रहा था.  
गर्भवतियां  
एबॉर्शन करवाने वाले डॉक्टरों के नंबर  
तलाश रही थी.  
कुत्तों ने  
सूरज ढलते ही रोना शुरू कर दिया था.  
गृहस्थ  
जल्लादों के पतों पर धरना दिए हुए थे.  
कुंवारे  
महंगे पबों में  
जश्न मना रहे थे.  
उस रात प्रेम को समझौता नाम दिया गया था.  
-----



## 5. पिता और बैल

घर में  
तीन किसान थे.  
एक मर गया  
तो दूसरा बुढ़िया गया.  
और तीसरा  
यह देख-देख कर  
ज़िंदा  
मर रहा है.

-----

## 6. जहाँ

कल  
जहाँ  
दबी हुई चीख  
दफ़न हो रही थी  
अपने ही भीतर  
उसी छत के ऊपर  
आज  
चन्द्रमा की  
बाँट जोह रहा है  
कोई.

-----



## साहित्य संहिता

Available at <http://sahityasamhita.org/>

ISSN: 2454-2695

Volume 01 Issue 06  
July 2015

### --•कवि परिचय•--

नाम- हर्षिल पाटीदार 'नव'

माता-पिता - नंदा देवी-नटवर लाल जी पाटीदार

जन्म- 30-10-1991

सम्प्रति- शिक्षक

निवास- महादेव मंदिर के पास, विकासनगर, जिला- इंगरपुर(राज.)